

क

देवनागरी वर्णमाला का पहला व्यंजन। क वर्ग का पहला वर्ण। उच्चारण स्थान कंठ।

कंकड़ पुं. (तद्.) 1. पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़े, रोड़ी 2. पत्थर का छोटा टुकड़ा मुहा. कंकड़, पत्थर- बेकार की चीज।

कंकड़ी स्त्री. (तद्.) छोटा कंकड़ दे. कंकरी।

कंकण पुं. (तत्.) कलाई में पहनने का एक आभूषण, कंगन, कड़ा, चूड़ा।

कंकरीट पुं. (अं.) चूना, सीमेंट, कंकड़, बजरी, बालू आदि के मिश्रण से बना, मसाला, बजरी।

कंकाल पुं. (तत्.) शरीर की हड्डियों का ढाँचा, ठठरी।

कंकालशेष वि. (तत्.) 1. जो हड्डियों का ढाँचा मात्र रह गया हो 2. अतिकृश।

कंगन पुं. (तद्.) दे. कंकण मुहा. हाथ कंगन को आरसी क्या- प्रत्यक्ष बात के लिए किसी प्रमाण की जरूरत नहीं स्त्री. (देश.) 1. हाथ में पहनने का छोटा कंगन 2. द्वारों के उपरी भाग में शोभा के लिए बनाई गई पट्टी (तद्.) 3. वर्षा-ऋतु में खेतों में बोया जाने वाला एक प्रकार का अनाज, जिसकी बालियों में छोटे दाने निकलते हैं। corrice

कंगारू पुं. (अं.) बड़े आकार का एक पादप-आहारी पशु जिसकी पिछली टांगें बहुत मजबूत होती हैं, लंबी मोटी पूँछ होती है और जो अपने शिशु को पेट के बाहर बनी जेब जैसी थैली में रखता है, यह ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है तथा वहाँ का राष्ट्रीय पशु है। kangaroo

कंगाल वि. (तद्.) 1. जिसके पास सामान्य रूप से जीवनयापन के लिए धन का अभाव हो पर्या. निर्धन, गरीब।

कंगाली स्त्री. (तद्.) अति निर्धनता, धनहीनता मुहा. कंगाली में आटा गीला होना- अभाव की दशा में और अधिक (आर्थिक) संकट सहना।

कंगूरा/कंगूरा पुं. (फा.कुंगर) बुर्ज या गुंबद 1. भवन के ऊपर का शिखर 2. किले की दीवार पर चारों ओर ऊँचाई पर चोटी पर बने सुरक्षात्मक स्थान।

कंधा पुं. (तद्.) लकड़ी या प्लास्टिक की बनी वस्तु जिसमें लंबे-लंबे पतले दाँत होते हैं, जिससे सिर के बाल संवारे, झाड़े या साफ किए जाते हैं।

कंधी स्त्री. (तद्.) छोटा कंधा मुहा. कंधी चोटी करना (स्त्रियो का) -बनाव-सिंगार करना 2. एक प्रकार का जंगली पौधा।

कंचन पुं. (तत्.) 1. सोना, सुवर्ण 2. धन 3. धतूरा 4. एक प्रकार का कचनार मुहा. कंचन बरसना- अपार धन-दौलत होना (वि.) 1. सोने के रंग का 2. सुंदर, स्वच्छ 3. नीरोग, स्वस्थ।

कंचुक पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल में घुटनों तक पुरुषों द्वारा पहना जाने वाला एक विशेष वस्त्र, आधुनिक युग में कुर्ता 2. स्त्री की अंगिया या चोली 3. जामा, चोलक 4. बख्तर 5. साँप की केंचुली 6. भूसी या छिलका 5. पोशाक।

कंचुकी पुं. (तत्.) 1. स्त्रियों का वस्त्र, चोली, अंगिया 2. अंतःपुर का रक्षक द्वारपाल 3. साँप 4. (ट्यूनिकेटा वर्ग का) प्राणी जिसके शरीर पर कवच या खोल होता है।

कंचुकी बंद स्त्री. (तत्+फा.) चोली का बंधन।

कंज पुं. (तत्.) जल में उत्पन्न होने वाला 1. एक पौधा कमल 2. केश 3. ब्रह्मा 4. अमृत।

कंजई वि. (तद्.) कंजा की फली जैसे रंग का, खाकी।

कंजक पुं. (तत्./तद्.) 1. पक्षी विशेष कोयल, मैना 2. कन्यक, नवरात्रों में कन्या पूजन के अर्थ में प्रयुक्त।

कंजड़ी स्त्री. (तद्.) कंजर जाति की स्त्री।